“दुनिया का अंत” सिर्फ विनाश नहीं है—यह पापपूर्ण व्यवस्थाओं, राज्यों और शक्तियों द्वारा शासित मानव इतिहास का ईश्वर द्वारा तय किया गया अंतिम चरण है। शास्त्र बताता है कि विश्व इतिहास का चरम बिंदु आखिरी युद्ध आर्मगेडन के रूप में होगा, जिसके बाद यीशु मसीह, परमेश्वर के धर्मी न्यायाधीश और शाश्वत राजा, की वापसी होगी।

1. आर्मगेडन: परमेश्वर और सांसारिक शक्तियों के बीच अंतिम युद्ध

बाइबल बताती है कि बुरी आत्मिक शक्तियाँ दुनिया के शासकों को प्रभावित करेंगी और उन्हें परमेश्वर के खिलाफ बगावत में एकजुट करेंगी। यह बगावत आर्मगेडन नामक स्थान पर अंतिम युद्ध में परिणत होगी।

प्रकाशितवाक्य 16:14–16
“ये बुरी आत्माएँ हैं, जो चमत्कार करती हैं, और ये पूरी
पृथ्वी के राजाओं के पास जाती हैं, उन्हें परमेश्वर सर्वशक्तिमान के महान दिन के युद्ध के लिए इकट्ठा करने के लिए… तब उन्होंने उन राजाओं को उस स्थान पर इकट्ठा किया जिसे हिब्रू में आर्मगेडन कहते हैं।”

यह युद्ध केवल भौतिक नहीं है—यह गहराई में आध्यात्मिक है। शैतान और उसकी सेनाएँ, सांसारिक सरकारों के माध्यम से काम करते हुए, परमेश्वर के राज्य के विरोध में होंगी। यह एफ़िसियों 6:12 में भी स्पष्ट है:
“क्योंकि हमारा संघर्ष शरीर और रक्त के खिलाफ नहीं, बल्कि उन शक्तियों और सत्ताों के खिलाफ है, जो ऊँचे स्थानों में बुराई करती हैं।”

2. मसीह की विजय, परमेश्वर की भेड़

दुनिया की सेनाएँ युद्ध के लिए इकट्ठा होंगी, लेकिन युद्ध लंबे समय तक नहीं चलेगा। जो यीशु पहले उद्धारकर्ता के रूप में आए, वे अब योद्धा राजा के रूप में लौटेंगे, और उनकी विजय पूरी और तीव्र होगी।

प्रकाशितवाक्य 17:14
“वे भेड़ के खिलाफ युद्ध करेंगे, पर भेड़ उन्हें हराएगी, क्योंकि वह राज्याओं का राजा और राजाओं का राजा है—और उसके साथ उसके बुलाए हुए, चुने हुए और विश्वासी अनुयायी होंगे।”

मसीह का दूसरा आगमन न्याय का वचन पूरा करता है। पहले आगमन में

वे नम्रता में आए (फिलिप्पियों 2:6–8), लेकिन अब महिमा और न्याय के साथ लौटेंगे (मत्ती 24:30)। उनकी विजय यह दिखाती है कि उन्हें हर शक्ति पर अंतिम अधिकार प्राप्त है (कुलुस्सियों 2:15)।

3. पृथ्वी पर भयंकर घटनाएँ होंगी

मसीह की वापसी पर, खगोलीय संकेत होंगे—विशाल भूकंप, सूर्य और चंद्रमा का अंधेरा, तारे गिरना, और द्वीपों और पहाड़ों का स्थान बदलना। ये केवल प्रतीकात्मक नहीं हैं; ये वर्तमान सृष्टि के पुनर्गठन और परमेश्वर के नए आदेश की तैयारी का संकेत हैं।

प्रकाशितवाक्य 6:12–14
“मैंने देखा कि उसने छठी मुहर खोली। बड़ा भूकंप हुआ। सूर्य बकरी की खाल की तरह काला हो गया, चंद्रमा लाल खून की तरह हो
गया, और आकाश के तारे पृथ्वी पर गिर गए… आकाश एक घुमावदार
पटल की तरह पीछे हट गया, और हर पर्वत और द्वीप अपने स्थान से हटा दिया गया।”

ये संकेत योएल 2:30–31 में भविष्यवाणी किए गए परमेश्वर के दिन से मेल खाते हैं। ये पापी संसार पर परमेश्वर के न्याय और सब कुछ

नया करने की शक्ति को दिखाते हैं (2 पतरस 3:10–13)।

4. लोग परमेश्वर के क्रोध से छिपने की कोशिश करेंगे

जब न्याय शुरू होगा, तो शक्तिशाली और प्रभावशाली लोग भी भयभीत होंगे। उन्हें एहसास होगा कि उनकी संपत्ति, स्थिति और शक्ति उन्हें परमेश्वर और भेड़ (यीशु) के क्रोध से नहीं बचा सकती।

प्रकाशितवाक्य 6:15–17
“तब पृथ्वी के राजा… गुफाओं में छिप गए… उन्होंने पहाड़ों
से कहा, ‘हम पर गिरो और हमें छिपा लो, उस के चेहरे से जो
सिंहासन पर बैठा है, और भेड़ के क्रोध से! क्योंकि उनके
क्रोध का महान दिन आ गया है, और इसे कौन सह सकता है?’”

यह इब्रानियों 10:31 की पूर्ति है—“जीवित परमेश्वर के हाथ में पड़ना भयावह है।” वही भेड़ (यीशु) जो उद्धार के लिए जीवन देने आए थे, अब ईश्वरीय न्याय निष्पादित करेंगे।

5. झूठा शांति कई लोगों को धोखा देगा

इस न्याय के आने से पहले, दुनिया शांत और सुरक्षित दिखाई देगी।

लेकिन यह शांति अस्थायी और धोखेबाज़ होगी। लोग सरकारों, प्रणालियों और झूठी सुरक्षा पर भरोसा करके फंस जाएंगे।

1 थिस्सलुनीकियों 5:3
“जब लोग कहेंगे, ‘शांति और सुरक्षा है,’ तब अचानक विनाश उनके
ऊपर आएगा, जैसे गर्भवती स्त्री पर प्रसव पीड़ा आती है, और वे
बच नहीं पाएंगे।”

यह यीशु के शब्दों से मेल खाता है (मत्ती 24:37–39), जहाँ वे नूह के दिनों की तुलना करते हैं—लोग खाते-पीते और शादी करते थे, और अचानक न्याय आ गया।

6. सच्ची शांति केवल मसीह में है

कोई भी सरकार, संधि या मानवीय प्रयास स्थायी शांति नहीं ला सकता। सच्ची शांति—शाश्वत और आध्यात्मिक—केवल यीशु मसीह के माध्यम से मिलती है। वे हमें परमेश्वर के साथ मेल कराते हैं और अनंत जीवन के लिए तैयार करते हैं।

यूहन्ना 14:27

“मैं तुम्हें शांति देता हूँ; मेरी शांति मैं तुम्हें देता हूँ। मैं तुम्हें वैसे नहीं देता जैसा संसार देता है। तुम्हारे हृदय परेशान न हों और न डरें।”

रोमियों 5:1
“इसलिए, जब हम विश्वास द्वारा धर्मी ठहराए गए, तो हम अपने प्रभु यीशु मसीह के माध्यम से परमेश्वर के साथ शांति रखते हैं।”

आपको क्या करना चाहिए?

यदि आपने कभी अपने जीवन को यीशु मसीह को समर्पित नहीं किया है, तो अब समय है। यीशु ने कहा:

यूहन्ना 14:6
“मैं मार्ग, सत्य और जीवन हूँ। पिता के पास कोई मेरे द्वारा
ही आता है।”

परमेश्वर का क्रोध वास्तविक है, और अंत के संकेत पहले से ही

दुनिया में दिखाई दे रहे हैं। लेकिन जो मसीह पर विश्वास करते हैं, उनके लिए आशा है। वे केवल न्यायधीश नहीं हैं बल्कि सभी विश्वासियों के उद्धारकर्ता भी हैं।

अब अपना जीवन उन्हें सौंपें। पाप से मुड़ें, सुसमाचार पर विश्वास करें और उनका पालन करें—ताकि आप आने वाले क्रोध से बच सकें और उनके राज्य में अनंत जीवन के आनंद में प्रवेश कर सकें।

1 थिस्सलुनीकियों 1:10
“…यीशु, जो हमें आने वाले क्रोध से बचाता है।”

प्रभु शीघ्र आ रहे हैं!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp